06

अशोक का शस्त्र त्याग (एकांकी)

लेखक का परिचय : श्री बंशीधर श्रीवास्तव। इनका जन्म एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा लखीमखीरी (उत्तर प्रदेश) से हुई थी। इन्हें हिन्दी संस्कृति, उर्दू, अंग्रेजी और बाँगला भाषा का अच्छा ज्ञान था इनकी प्रमुख रचनाएँ–काव्य संग्रह अर्चना तथा कौशिक है।

अधिगम प्रतिफल :

- ❖ बच्चे हिन्दी भाषा साहित्य की एकांकी विधा को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद–नापसंद, टिप्पणी निष्कर्ष आदि को मौखिक एवं सांकेतिक भाषाओं में अभिव्यक्त कर पाते हैं।
- ❖ एकांकी को पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों एवं घटनाओं की कल्पना करते हैं। इसके अलावा अपने मन में बनी छवि और विचार को सांकेतिक और मौखिक भाषा में व्यक्त कर पाते है।

पाठ का परिचय– प्रस्तुत एकांकी में श्री बंशीधर श्रीवास्तव जी ने मगध–कलिंग युध्द जैसी ऐतिहासिक घटना का उल्लेख किया है। जिसने सम्राट अशोक जैसे विजयोन्मत्त और निर्दयी व्यक्ति के मन में करूणा, दया, प्रेम इत्यादि भावनाओं का संचार किया। इसमें भारतीय वीरांगनाओं के दृढ़ संकल्प साहस एवं मातृभूमि के लिए सर्वस्वत्याग की भावना का परिचय मिलता है। साथ ही साथ इससे यह सत्य भी उजागर होता है कि हिंसा के द्वारा राज्य जीते जा सकते हैं हृदय नहीं।

सार संक्षेप

श्री बंशीधर श्रीवास्तव जी द्वारा लिखित यह एकांकी तीन दृश्यों में विभाजित है पहले दृश्य में युद्ध मैदान में शिविर, पत्राकाए और कलिंग नरेश की युद्ध के दौरान हत्या के बाद भी कलिंग के दूर्ग के फाटक का न खुलना और इसी कारण सम्राट अशोक को चिंतनग्रस्त दिखाया गया है। दूसरे दृश्य में सम्राट अशोक घोड़े पर सवार, हाथ में तलवार लिए सैनिकों के साथ सेना का नेतृत्व किए कलिंग के दुर्ग के फाटक के सामने खड़े दिखाया गया है। चारों ओर से मगध के सैनिकों द्वारा मगध नरेश सम्राट अशोक की जय–जयकार कर रहे हैं। सम्राअ अशोक भी सैनिकों को मातृभूमि के लिए मर–मिटने के

© JCERT not to be republished

लिए ललकारते हुए कहते हैं कि आज या तो कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या मृत्यु की गोद में सो जाएँगे।

कलिंग के दुर्ग का फाटक खुलते ही कलिंग नरेश की पुत्री राजकुमारी पद्मा पुरूष सैनिक के वेश में सुसज्जित होकर घोड़े पर सवार हाथ में तलवार लेकर शस्त्र सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना के साथ आ खड़ी होती है। सभी को वो साक्षात् चंडी सी दिखती है। राजकुमारी अपनी स्त्री सेनानियों को संबोधित करती है कि–तुम वीर पत्नी, वीर भगिनी हो, आज तुम्हें तुम्हारे पिता, पति, भाई और पुत्र की हत्या का बदला लेना है और आज मगध की सेना हमारे सामने खड़ी है। आज उन्हीं से लोहा लेना है अर्थात युद्ध करना है। अपनी जन्मभूमि को गुलाम या पराधीन होते देखने से बेहतर है युद्ध करके वीरगति को प्राप्त होवें।

सम्राट अशोक को राजकुमारी पद्मा कलिंग के दुर्ग की रक्षा के लिए अवतरित माँ दुर्गा के समान प्रतीत होती है। बाकी के सैनिक भी सभी स्त्रियाँ ही हैं यह देखकर सम्राट अशोक स्त्रियों पर शस्त्र न उठाने का तय करते हैं इसके लिए चाहें हार ही क्यों न उठानी पड़ें।

राजकुमारी कहती है मै कलिंग नरेश की पुत्री हूँ और आज मैं सम्राट अशोक जो मेरे पिता का हत्यारा है उससे द्वंद्व युद्ध करना चाहती हूँ। लेकिन सम्राट अशोक सामने प्रस्तुत होकर कहता है कि–''शास्त्र के अनुसार मैं स्त्रियों पर हथियार नहीं उठाऊँगा, उनकी हत्या नहीं करूँगा''– यह सुनकर राजकुमारी कहती है–''क्या तुम्हारा शस्त्र यह आज्ञा देता है कि निरपराधियों की हत्या कर दो माताओं, बहनों को पति, पुत्र, पिता और भ्राता विहिन कर दो। तुम हत्यारे हो, मैं अपनी बलि चढ़ाकर तुम्हारी खून की प्यास बुझाने आई हूँ। हम स्त्रियाँ सिर्फ तुझसे युद्ध चाहती हैं।'' इतना सुनकर सम्राट अशोकर सिर झुका कर तलवार फेंककर अपने सैनिकों को भी हथियार फेंकने का आदेश देते हैं और राजकुमारी से कहते हैं जिस सम्राट अशोक का सिर आज तक किसी के सामने नहीं झुका, जिसने लाखों का सिर काटा है आज आपके आगे झुक गया है। मैं अपराधी हूँ मेरा सिर काट लिजिए। मेरा प्रण अटल है मैं शस्त्र नहीं उठाऊँगा।

राजकुमारी जवाब में कहती है कि महाराज आप अपनी प्रतिज्ञा की रक्षा के लिए जीवित रहिए हम स्त्रियाँ भी किसी निहत्थे पर वार नहीं करती। इतना कहकर दूर्ग में चली जाती है।

तीसरे दृश्य में अशोक और उनके सभी सरदार पीले वस्त्र धारण किए हुए एक बौद्ध भिक्षु सम्राट अशोक से प्रतिज्ञा करवाते हैं–

''मैं प्रतिज्ञा करता हूँ जब तक मेरे शरीर में प्राण रहेंगे..... अहिंसा ही मेरा धर्म होगा। मैं सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करूणा का सदावर्त सबको मिलेगा। जब तक मैं जीवित रहूँगा अपनी प्रजा की भलाई करूँगा। सब प्राणियों को सुख और शांति पहुँचाने का प्रयत्न करूँगा। सब धर्मों को समान दृष्टि से देखूँगा और प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं शक्तिभर आपकी (बौद्ध भिक्षुओं) आज्ञा का पालन करूँगा।

© JCERT not to be republished

एकांकी की समाप्ति यानि मंच पर पर्दा गिरने से पहले बौद्ध मंत्र का उच्चारण सभी मिलकर करते हैं– बुद्धं शरणं गच्छामि। धर्मं शरणं गच्छामि। संघं शरणं गच्छामि।

शब्दार्थ –

शब्द	–	अर्थ
शिविर	–	पड़ाव, खेमा
पताका	–	ध्वज, झंडा
संवाददाता	–	संवाद देनेवाला
गुप्तचर	–	जासूस
आत्मसमर्पण	–	अपने आपको सौंप देना
पराधीन	–	दूसरों के अधीन या गुलाम
नत	–	झुका हुआ
प्रतिज्ञा	–	ठान लेना, प्रण करना
सदावर्त्त	–	नित्य भोजन बाँटना
जननी	–	माता, माँ
दुर्ग	–	किला
मंत्रमुग्ध	–	मंत्र द्वारा वश में किया हुआ, सम्मोहित
वीरांगना	–	वीर नारी
लोहा लेना	–	मुकाबला करना
शास्त्र	–	विशिष्ट विषय या पदार्थ समूह से संबंधित समस्त ज्ञान जो सही क्रम में संग्रहित हो जैसे– आचारशास्त्र, धर्मशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र आदि।
अहिंसा	–	किसी प्राणी या जीव को नहीं मारना तथा मन, वचन और कर्म से भी किसी को दुःख नहीं देना।
करूणा	–	दया, रहम
एकांकी	–	एक अंक वाला नाटक
द्वंद्व युद्ध	–	दो विरोधी व्यक्तियों या दलों के बीच का युद्ध।
आक्रमण	–	हमला करना, चढ़ाई करना।

© JCERT not to be republished

व्याख्या –

एकांकी के पहले दृश्य की व्याख्या : नाटक में पर्दा उठते ही युद्ध का वातावरण है मैदान में चारों ओर सैनिकों की चहलकदमी है। सैनिकों के शिविर के चारों ओर ध्वज लहरा रही हैं और उनके पास ही सम्राट अशोक का शिविर है जहाँ आसन पर बैठे सम्राट अशोक कुछ सोच रहे हैं इतने में द्वारपाल आकर बताता है कि संवाददाता कुछ कहने आया है। संवाददाता राजा की आज्ञा पाकर अंदर जाकर कहता है कि कलिंग नरेश की युद्ध में मृत्यु हो गई है लेकिन कलिंग के दुर्ग का फाटक अभी भी बंद है। यह सुनकर महाराज अपनी सेना को संबोधित करते हैं कि कल सुबह युद्ध के लिए तैयार रहें और कलिंग के दुर्ग पर हमला का, सैन्य नेतृत्व मैं करूँगा। कल सुबह या तो दुर्ग का फाटक खुलेगा या मगध की सेना ही वापस चली जाएगी।

वैकल्पिक प्रश्न

1. अशोक का शस्त्र त्याग हिन्दी साहित्य की कौन सी विद्या है?

   (क) कहानी (ख) कविता

   (ग) नाटक (घ) एकांकी

2. ''अशोक का शस्त्र त्याग'' एकांकी के लेखक कौन हैं?

   (क) डॉ. हरिवंशराय बच्चन (ख) विश्वनाथ तिवारी

   (ग) अनुपम मिश्र (घ) श्री बंशीधर श्रीवास्तव

एक वाक्य या शब्द में उत्तर दें :–

3. मैदान में किसके सैनिकों के शिविर हैं?

4. मगध की पताकाओं के पास किसका शिविर है?

5. कलिंग युद्ध कितने वर्षों तक चला?

6. कलिंग युद्ध में कुल कितने आदमी मारे जा चुके हैं?

7. अशोक कहाँ के सम्राट थे?

© JCERT not to be republished

(क) कलिंग (ख) मगध

(ग) 'क' और 'ख' दोनों (घ) मैसुर

8. किसने किससे कहा :–

(क) हाँ महाराज ! कलिंग के फाटक आज भी बंद हैं।

(ख) मारे गऐ हैं! तो मगध की विजय हुई है ! कलिंग जीत लिया गया है। बोलते क्यों नहीं हो तुम? चुप क्यों हो?

9. कलिंग युद्ध में कलिंग नरेश की मृत्यु के बाद भी दुर्ग का फाटक नहीं खुलने पर सम्राट अशोक की क्या प्रतिक्रिया थी, अपने शब्दों में लिखें?

व्याख्या –

दूसरे दृश्य की व्याख्या : दूसरे दृश्य में सुबह (प्रातः काल) का समय है। सम्राट अशोक घोड़े पर सवार हो हाथ में शस्त्र (तलवार) लिए अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए दुर्ग के बंद फाटक से थोड़ी दूर खड़े होते हैं और अपने सैनिकों को ललकारते हुए कहते हैं कि चार साल से युद्ध हो रहा है कलिंग नरेश मारा गया, लाखों सैनिक दोनों ओर से मारे गए फिर भी कलिंग के दुर्ग पर मगध की पताका नहीं फहर रही है। आज या तो कलिंग का दुर्ग का फाटक खुलेगा, कलिंग की सेना आत्मसमर्पण करेगी या फिर मगध सेना सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएगी। मगध की सेना अशोक की जयकार कर ही रहे थे तभी किले का फाटक खुला और शस्त्रों से सुसज्जित स्त्रियों की विशाल सेना एवं जिसका नेतृत्व पुरूष सैनिक के वेश में एक वीरांगना कर रही थी आकर मगध सेना से थोड़ी दूरी पर खड़ी होती है। सम्मोहित हो सब उस वीरांगना को देखते हैं मानो चंडी आ खड़ी हो। सम्राट अशोक भी इस दृश्य को देखकर चकित हो जाते हैं।

वह वीरांगना और कोई नहीं बल्कि कलिंग नरेश की पुत्री राजकुमारी पदमा थी। राजकुमारी ने अपनी स्त्री सैनानियों को ललकारते हुए कहा कि जिस मगध की सेना ने उनके पिता, पुत्र, पति और भाईयों की हत्या की है आज उनसे लोहा लेना है अर्थात् युद्ध करना है ताकि बदला लिया जा सके और इससे पहले की कलिंग के दुर्ग पर अधिकार मगध सम्राट का हो हम सभी युद्ध करते हुए अपने प्राणों की आहुति देंगे।

यह सब देखकर सम्राट अशोक को लगा मानो स्वयं देवी दुर्गा कलिंग की रक्षा हेतु अवतरित हुई है। वह अपने आप से कहता है कि यह वीरांगना और बाकी की सेनानियाँ भी स्त्री हैं क्या अब मुझे स्त्रियों

© JCERT not to be republished

का वध करना पड़ेगा? नहीं, नहीं! मैं ऐसा कभी नहीं करूँगा। वह राजकुमारी पदमा से कहता है स्त्रियों का वध करना, उन पर हाथ उठाना शास्त्र के खिलाफ है मैं ऐसा नहीं करूँगा। उसने अपना सिर झूका कर कहा कि जिसका सिर किसी के सामने नहीं झूका आज आपके सामने झुका है मेरा सिर काट लिजिए देवी। ऐसा कहकर सम्राट नतमस्तक हो अपने शस्त्र का त्याग कर देता है। अपने साथियों/सैनिकों को भी शस्त्र फेंकने के लिए कहता है। तभी जवाब में राजकुमारी पदमा कहती है कि तुम्हारा शास्त्र क्या इस बात की आज्ञा देता है कि विजय लालसा पूरी करने के लिए लाखों निरपराधियों की हत्या कर माताओं की गोद सुनी कर दो, लाखों स्त्रियों की माँग का सिंदूर पोंछ दो। आज मैं शास्त्र सीखने नहीं बल्कि अपने पिता की हत्या के बदले के लिए तुमसे द्वंद्व युद्ध करने आयी हूँ। जब सम्राट अशोक निहत्था सिर झुकाये खड़ा हो जाता है और राजकुमारी को सिर काटने को कहता है तो वह बोलती है कि आप अपने प्रण को पूरा करने के लिए जीवित रहिए कलिंग की वीरांगनाएँ कभी किसी निहत्थे पर वार नहीं करती हैं और इस तरह सभी सेनानियाँ दुर्ग के भीतर चली जाती हैं दुर्ग का फाटक फिर से बंद हो जाता है।

वैकल्पिक प्रश्न

10. राजकुमारी पद्मा किसकी पुत्री थी ?

(क) कलिंग नरेश (ख) मगध सम्राट

(ग) मैसुर के राजा (घ) इनमें से कोई नहीं

11. सम्राट अशोक किस पशु पर बैठे थे ?

(क) घोड़ा (ख) हाथी

(ग) ऊँट (घ) बैल

12. किसने किससे कहा ?

(क) "शास्त्र की आज्ञा है राजकुमारी।" यह कथन किसने किससे कहा ?

(ख) "तो जाइए महाराज। स्त्रियाँ भी निहत्थे पर वार नहीं करेंगी। आप अपनी प्रतिज्ञा की रक्षा के लिए जीवित रहिए।" यह कथन किसने किससे कहा ?

13. विद्यार्थी इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें –

(क) सम्राट अशोक ने अपने सैनिकों को ललकारते हुए क्या कहा ?

© JCERT not to be republished

(ख) कलिंग के दुर्ग का फाटक खुलते ही सम्राट अशोक और मगध के सैनिक क्या देखकर आश्चर्यचकित हो गए ?

(ग) राजकुमारी पद्मा ने सम्राट अशोक से द्वंद्व युद्ध करने की इच्छा क्यों जताई?

(घ) राजकुमारी पद्मा ने अपनी वीर सेनानियों को क्या कहकर युद्ध भूमि पर लड़ने के लिए तैयार किया?

(ङ) क्या सम्राट अशोक ने स्त्री सेनानियों और वीरांगना पद्मा के साथ युद्ध किया ? अपने उत्तर का समर्थन करें?

व्याख्या –

एकांकी के तीसरे दृश्य की व्याख्या : एकांकी के तीसरे दृश्य में सम्राट अशोक और उसके सभी सरदार एक बौद्ध भिक्षु के समीप बैठे, पीले वस्त्र धारण किए हुए प्रतिज्ञा ग्रहण करते दिखाए गए हैं। बौद्ध भिक्षु के सामने सम्राट अशोक प्रतिज्ञा करते हैं – "मैं जबतक जीवित हूँ अहिंसा ही मेरी धर्म होगा। मैं सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करूणा का सदावर्त्त सबको मिलेगा।

"जब तक जीवित रहूँगा, अपनी प्रजा की भलाई करूँगा। सब प्राणियों को सुख और शांति पहुँचाने का प्रत्यन करूँगा। सब धर्मों को समान दृष्टि से देखूँगा।" अन्त में सम्राट अशोक प्रतिज्ञा करते हैं कि – " मैं शक्तिभर आपकी (बौद्ध भिक्षु की) आज्ञा का पालन करूँगा।

इस प्रकार एकांकी का अन्त होता है सभी बौद्ध भिक्षु के साथ बोलते हैं – "बुद्धं शरणं गच्छामि/धर्मं शरणं गच्छामि/संघं शरणं गच्छामि।"और पर्दा गिर जाता है।

वैकल्पिक प्रश्न

14. मगध सम्राट अशोक और उसके सरदार किस रंग के वस्त्र धारण किये हुए थे ?

(क) पीले (ख) नीले

(ग) सफेद (घ) नारंगी

15. सम्राट अशोक ने किसके सामने प्रतिज्ञा ली ?

(क) बौद्ध भिक्षु के (ख) पद्मा के

(ग) सैनिकों के (घ) माता–पिता के

© JCERT not to be republished

16. सम्राट अशोक ने बौद्ध भिक्षु के समीप कौन सा मार्ग अपनाने की प्रतिज्ञा ली ?

(क) हिंसा (ख) अहिंसा

(ग) क्रूरता (घ) क और ख दोनों

17. सम्राट अशोक ने क्या प्रतिज्ञा ली ?

(क) प्रजा की भलाई करने का।

(ख) सभी प्राणियों को सुख और शांति पहुँचाना।

(ग) सभी धर्मों का समान आदर करना।

(घ) इनमें से सभी।

18. प्रस्तुत एकांकी में किस घटना का उल्लेख है ?

(क) मगध–कलिंग युद्ध

(ख) भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन

(ग) अशोक का शस्त्र त्याग

(घ) इनमें से सभी

प्रश्नोत्तर

19. सम्राट अशोक का शस्त्र त्याग के द्वारा किस सत्य को उजागर किया गया है ?

20. एकांकी से आप क्या समझते हैं ? नाटक और एकांकी में क्या अन्तर है ?

21. अशोक का शस्त्र त्याग में आए मुख्य पात्रों का नाम बताएँ ?

22. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :–**

(क) सेना के सामने पुरूष वेश में एक ———————— है, जो सैनिक क वेश में साक्षात ———————— दिखाई देती हैं

© JCERT not to be republished

(ख) आकाश में ——————— चमकने लगे हैं।

(ग) शस्त्रसज्जित अशोक ——————— पर बैठे हैं।

(घ) ——————— और उनके सभी ——————— पीले वस्त्र धारण किए बौद्ध भिक्षु के सामने बैठे हैं।

(ङ) ——— के द्वारा राज्य जीते जा सकते हैं, हृदय नहीं।

23. आशय स्पष्ट करें एवं वाक्य में प्रयोग करें ?

(क) लोहा लेना (ख) मंत्रमुग्ध होना (ग) आँखें बंद कर लेना

(घ) गोद सूनी होना (ङ) माँग का सिंदूर पोंछना

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

24. सम्राट अशोक क्यों चिंतित थे ?

25. पद्मा अपनी सेना को युद्ध भूमि में क्या प्रण करने को कहती है ?

26. पद्मा की युद्ध करने की चुनौती को स्वीकार न करना अशोक के चरित्र की किस विशेषता को प्रकट करता है ?

27. पद्मा ने अशोक को जीवित क्यों छोड़ दिया ?

28. पद्मा और अशोक के बीच हुए संवादों के परिणाम स्वरूप अशोक के विचारों में क्या परिवर्त्तन आया ?

भाषा संदर्भ

1. पद्मा के अपनी सेना के साथ दुर्ग के अंदर चले जाने के बाद अशोक उदास होकर अपने शिविर की ओर लौट रहे हैं। इस दृश्य को मंच पर दिखाने के लिए आप क्या निर्देश देंगे?

उत्तर–इस दृश्य को दिखाने के लिए निम्नलिखित निर्देश दिये जाएँगे – युद्ध के बाद का दृश्य सभी महिला सैनिकों के साथ राजकुमारी पद्मा भी लौट चुकी है और उदास मन से सम्राट अशोक भी लौट गए।

© JCERT not to be republished

2. उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करें :–

(क) यह कौन है ?

(ख) क्या साक्षत दुर्गा कलिंग की रक्षा करने के लिए युद्ध भूमि में उतर आई है ?

(ग) तुम हत्यारे हो , मैं अपनी बलि चढ़ाकर तुम्हारी खून की प्यास बुझाने आयी हूँ।

(घ) बहुत हो चुका राजकुमारी ! मैं अब युद्ध नहीं करूँगा।

(ङ) पदमा : यह क्या महाराज !

3. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए –

(क) शास्त्र की आज्ञा है राजकुमारी।

(ख) और शास्त्र की आज्ञा है कि तुम निरपराधियों की हत्या करो ?

❖ यहाँ 'शस्त्र' एवं 'आज्ञा' शब्द का प्रयोग हुआ है जा तत्सम अर्थात संस्कृत के शब्द हैं तथा इनका प्रयोग हिंदी में किया जाता है। इस पाठ में आए तत्सम शब्दों को ढूँढकर उनका वाक्यों में प्रयोग करें :–

उत्तर–(क) पताका – युद्ध के मैदान में मगध साम्राज्य की पताका लहरा रही थी।

(ख) भगिनी – सीमा, नीता की भगिनी है।

(ग) प्रतिज्ञा – अशोक ने शस्त्र त्यागकर अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा ली।

उत्तर पत्रक

एकांकी के पहले दृश्य के प्रश्नों के उत्तर :–

1. (घ) एकांकी

2. (घ) श्री बंशीधर श्रीवास्तव

3. मगध सैनिकों के

© JCERT not to be republished

4. सम्राट अशोक का

5. चार वर्षों तक

6. लाखों लोग

7. (ख) मगध

8. (क) संवाददाता ने सम्राट अशोक से कहा।

   (ख) सम्राट अशोक ने संवाददाता से कहा।

9. कलिंग युद्ध में कलिंग नरेश की मृत्यु के बाद भी कलिंग के दुर्ग का फाटक बंद है यह जानकर सम्राट अशोक उत्तेजित हो जाते हैं और दूसरे ही दिन सेना का नेतृत्व खुद संभालते हुए युद्ध भूमि की ओर जाते हैं। वे सैनिकों को कहते हैं या तो दुर्ग का द्वार खुलेगा या मगध की सेना ही वापस चली जाएगी।

एकांकी के दूसरे दृश्य के प्रश्नोत्तर

10. (क) कलिंग नरेश

11. (क) घोड़ा

12. (क) सम्राट अशोक ने राजकुमारी पद्मा से कहा।

    (ख) राजकुमारी पद्मा ने मगध सम्राट अशोक से कहा।

13. (क) सम्राट अशोक ने अपने सैनिकों को कहा कि – आज चार साल से युद्ध हो रहा है लाखों लोग मारे गए हम कलिंग जीत नहीं पाए हैं। उसके दुर्ग पर मगध की पताका नहीं फहरा रही है। कलिंग नरेश के मारे जाने और सेनापति के कैद होने पर भी कलिंग आत्मसमर्पण नहीं कर रहा है तो आओ, आज हम मातृभूमि की शपथ लेकर प्रण करें कि या तो हम कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में से जाएँगे।

    (ख) कलिंग के दुर्ग का फाटक खुलते ही सम्राट अशोक और मगध के सैनिक राजकुमारी पद्मा को पुरूष वेश में सैनिक के रूप में आते देखते हैं उनके साथ शस्त्र सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना भी रहती है। पद्मा, चंडी समान दिखाई देती है। यह देखकर वे आश्चर्यचकित हो गए।

© JCERT not to be republished

(ग) राजकुमारी ने अपने पिता कलिंग के महाराज की हत्या का बदला लेने के लिए सम्राट अशोक को अपनी पिता के हत्यारा कहते हुए उससे द्वंद्व युद्ध करने की इच्छा जताई।

(घ) राजकुमारी पद्मा ने कहा – बहनों ! तुम वीर कन्या वीर – भगिनी और वीर–पत्नी हो। जिसने तुम्हारे पिता पुत्र, पति और भाइयों की हत्या की है उनसे तुम्हें लोहा लेना है। तुम प्रण करो जननी जन्मभूमि को पराधीन देखने के पहले तुम सदा के लिए अपनी आँखें बंद कर लोगी।

(ङ) नहीं ! सम्राट अशोक ने स्त्री सेनानियों और वीरांगना पद्मा से युद्ध नहीं किया। अशोक स्त्रियों पर हाथ या शस्त्र उठाना, शास्त्र ज्ञान के विरूद्ध समझते थे और इसलिए उन्होंने शस्त्र त्याग कर दिया।

एकांकी के तीसरे दृश्य के प्रश्नों के उत्तर :–

14. (क) पीले

15. (क) बौद्ध भिक्षु

16.. (ख) अहिंसा

17. (घ) इनमें से सभी

18. (क) मगध–कलिंग युद्ध

19. सम्राट शोक के शस्त्र त्याग के द्वारा इस सत्य को उजागर किया गया है कि–हिंसा के द्वारा राज्य जीते जा सकते हैं, हृदय नहीं।

20. एकांकी का अर्थ है – एक अंक वाला एवं सम्पूर्ण कार्य एक ही स्थान और समय में पूर्ण होने वाला नाटकीय कौशल से परिपूर्ण, दृश्यों में एकसूत्रता हो। रंगमंचीयता, कथावस्तु, चरित्र–चित्रण। परिवेश और उद्देश्य शामिल होना चाहिए। नाटक में घटनाओं की अधिकता रहती है, जबकि एकांकी पात्र, घटना, संवाद आदि की दृष्टि से सीमित होती है। नाटक में कथावस्तु विस्तार के लक्षण रहते है। जबकि एकांकी की कथावस्तु छोटी होती है जिसका संबंध चरित्र विशेष, या जीवन के किसी एक घटना से होता है।

21. अशोक का शस्त्र त्याग में आए मुख्य पात्र –

(1) मगध सम्राट अशोक

(2) राजकुमारी पद्मा

© JCERT not to be republished

22. (क) वीरंगना, चंडी

(ख) तारे

(ग) घोड़े

(घ) सम्राट अशोक, सरदार

(ङ) हिंसा

23. (क) लोहा लेना – युद्ध या मुकाबला करना– जब तक हम शत्रु से डटकर लोहा नहीं लेते तब तक उन्हें हरा नहीं सकते।

(ख) मंत्रमुग्ध होना – सम्मोहित होना– पुरूष वेश में राजकुमारी पद्मा को शस्त्र–सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना के साथ आते देख मंत्रमुग्ध होकर देखने लगे।

(ग) आँखे बंद कर लेना – मृत्यु होना – काफी दिनों तक बीमारी से लड़ने के बाद सोहन की दादी ने आँखे बंद कर ली।

(घ) गोद सूनी होना – संतान विहीन – युद्ध में मारे जाने के बाद कितने ही सैनिकों की माताओं की गोद सूनी हो गई।

(ङ) माँग का सिंदूर पोंछना – विधवा बनाना – दो देशों के बीच हुए युद्ध ने अब तक कई स्त्रियों के माँग का सिंदूर पोंछ डाला है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

24. मगध और कलिंग के बीच चार वर्षों से युद्ध हो रहा था। जिसमें दोनों ओर के लाखों सैनिक मारे जा चूके थे। कलिंग नरेश भी मारे जा चुके थे। सेनापति बन्दी बना लिया गया था फिर भी कलिंग की दुर्ग पर मगध का विजय पताका नहीं फहर पाया। इसी बात की चिन्ता थी।

25. पद्मा अपनी सेना को यह प्रण लेने को कहती है कि – ''जननी जन्मभूमि को पराधीन होता देखने से पहले अपनी आँखे सदा के लिए बंद कर लो यानि स्वतंत्रता के लिए मर मिटो।''

© JCERT not to be republished

26. अशोक द्वारा पद्मा द्वारा दिए गए युद्ध की चुनौती को स्वीकार न करना उसके चरित्र की निम्न. लिखित विशेषताएँ प्रकट करता है –

(1) शास्त्रों के ज्ञान का मान रखना।

(2) स्त्रियों के प्रति सम्मान की भावना रखना।

27. पद्मा ने सम्राट अशोक को जीवित इसलिए छोड़ा कि – अशोक का हृदय परिवर्त्तन हो चुका था उन्होंने हिंसा त्यागकर अहिंसा का मार्ग अपनाने का प्रण लियां जीवित रहकर वे अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर सकेंगे।

28. पद्मा और अशोक के बीच हुए संवादों के परिणमस्वरूप अशोक के विचारों में महान परिवर्त्तन आया। उन्होंने शस्त्र त्याग किया, स्त्रियों सहित किसी पर भी हिंसा न करने का प्रण उठाया और बौद्ध धर्म के शरण में चले गए।

© JCERT not to be republished